सज्जनगढ़ जैविक उद्यान

चर्चा में क्यों?

उदयपुर के सज्जनगढ़ जैविक उद्यान को पशु विनिमय पहल के तहत गुजरात के जूनागढ़ स्थित सक्करबाग प्राणी उद्यान से **शेरों का एक जोड़ा मिलने** की उम्मीद है।

प्रमुख बिंदु:

- 3.45 करोड़ रुपए के बजट वाली लायन सफारी प्रोजेक्ट का उद्देश्य **वर्ष 2015 में स्थापित जैविक पार्क के आकर्षण को बढ़ाना है।**
  - 26 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस सफारी में शेरों के लिये एक होल्डिंग क्षेत्र और एक प्रदर्शन क्षेत्र दोनों शामिल होंगे, जिसमें आठ शेरों को रखने की क्षमता होगी।
- सक्करबाग चिड़ियाघर में सज्जनगढ़ जैविक उद्यान से लोमड़ी, लकड़बग्घा, **सियार, जंगली बिल्ली और चिंकारा** लाए जाएंगे।
- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने वर्ष के अंत से पहले लायन सफारी शुरू करके उदयपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये फरवरी 2024 में शेरों के स्थानांतरण को मंज़ूरी दी।
  - लायन सफारी के अलावा, जैविक पार्क अपनी सुविधाओं का विस्तार कर रहा है जिसमें **सरीसृप अनुभाग, रात्रिचर जानवरों का अनुभाग और तेंदुआ बचाव केंद्र** भी शामिल है।

सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

- यह **उदयपुर (राजस्थान)** में स्थित है।
- यह **वर्ष 1884 में निर्मित सज्जनगढ़ पैलेस (जिसे मानसून पैलेस के नाम से भी जाना जाता है)** का एक हिस्सा है।
  - महल का नाम **मेवाड़ राजवंश** के शासकों में से एक महाराणा सज्जन सिंह के नाम पर रखा गया है।
- यह **चीतल, तेंदुआ, नीलगाय, सियार, जंगली सूअर, लकड़बग्घा और सांभर** के लिये प्रसिद्ध है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sajjangarh-biological-park